11

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में वर्णित बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान के क्रियान्वयन में निपुण भारत मिशन का योगदान

मोहम्मद ज़मीर*

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में वर्णित बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान के क्रियान्वयन में निपुण भारत मिशन के योगदान के संदर्भ में इस प्रपत्र में चर्चा की गयी है। प्रारंभिक शिक्षा के महत्व को देखते हुए *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* में बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान पर बल दिया गया है। इसी के अंतर्गत केंद्र सरकार द्वारा 5 जुलाई 2021 में शुरू हुए निपुण भारत मिशन को शुरू किया गया है। इसका उद्देश्य ग्रेड 3 में पढ़ने वाले सभी बच्चों को कक्षा के अंत तक बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता में निपुण बनाना है जिसे 2026–2027 तक प्राप्त करने का लक्ष्य रखा गया है। बुनियादी शिक्षा मज़बूत होने से छात्रों को आगे के पाठ्यक्रमों के लिए सुविधा हो जाएगी और पहले से बेहतर समझ उत्पन्न होगी। प्रस्तुत प्रपत्र में निपुण भारत मिशन की विस्तारपूर्वक चर्चा करते हुए राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् (एस.सी.ई.आर.टी.), मंडलीय शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डी.आई.ई.टी.), ब्लॉक व डिस्ट्रिक्ट रिसर्च सेंटर तथा क्लस्टर रिसोर्सेज सेंटर के योगदान को प्रस्तुत किया गया है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, 21वीं शताब्दी की पहली ऐसी शिक्षा नीति है जो अनिवार्य आवश्यकताओं को पूरा करते हुए देश के विकास पर बल देती है। यह नीति भारत की परंपरा और सांस्कृतिक मूल्यों को आधार स्वरूप स्वीकार करते हुए प्रत्येक व्यक्ति में निहित रचनात्मक क्षमताओं के विकास पर बल देती है। इसका मानना है कि शिक्षा से न केवल साक्षरता और संख्या ज्ञान जैसी बुनियादी क्षमताओं तथा उच्चतर स्तर की तार्किक और समस्या समाधान संबंधी संज्ञानात्मक क्षमताओं का विकास होना चाहिए अपितु नैतिक, सामाजिक और भावनात्मक स्तर पर भी व्यक्ति का विकास होना आवश्यक है।

* *प्रधानाचार्य*, मंडलीय शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, कड़कड़डूमा, दिल्ली

© NCERT not to be republished

प्रारंभिक शिक्षा के महत्व को देखते हुए *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* में उल्लिखित है कि "हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता 2025 तक प्राथमिक और उससे आगे सार्वभौमिक मूलभूत साक्षरता और संख्या ज्ञान प्राप्त करने की होनी चाहिए। यदि हम सबसे पहले इस महत्वपूर्ण मूलभूत शिक्षण अर्थात् प्रारंभिक स्तर पर पठन, लेखन और गणित कौशल को प्राप्त नहीं कर पाते हैं तो शेष नीति हमारे छात्रों की एक बड़ी संख्या के लिए मुख्य रूप से अप्रासंगिक हो जाएगी।"

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ऐसे मूलभूत सिद्धांतों पर आधारित है जो न केवल बड़े स्तर पर शिक्षा प्रणाली का मार्गदर्शन करेंगे अपितु व्यक्तिगत संस्थानों को भी पथप्रदर्शित करने का बीड़ा उठाती है। शिक्षा नीति प्रत्येक बच्चे की विशिष्ट क्षमताओं को स्वीकार करते हुए उसकी पहचान के अनंतर उनके विकास हेतु प्रयास करने का सिद्धांत प्रदान करती है। *राष्ट्रीय शिक्षा नीति* बुनियादी साक्षरता संख्या ज्ञान को सर्वाधिक प्राथमिकता प्रदान करती है तथा इसके लचीलेपन के कारण शिक्षार्थियों को उनकी प्रतिभा और रुचियों के अनुसार अपना रास्ता चुनने का मार्ग दिखाती है। कला और विज्ञान के बीच, पाठ्यक्रम और पाठ्येतर गतिविधियों के बीच, व्यावसायिक और शैक्षणिक धाराओं आदि के बीच किसी भी प्रकार के अलगाव को स्वीकार नहीं करती है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में अनुच्छेद 1.2 में वर्णित है ईसीसीई में मुख्य रूप से लचीली, बहुआयामी, बहु-स्तरीय खेल-आधारित, गतिविधि-आधारित और खोज-आधारित शिक्षा को सम्मिलित किया गया है। यथा— अक्षर, भाषा, संख्या, गिनती, रंग, आकार, इंडोर एवं आउटडोर खेल, पहेलियाँ और तार्किक सोच, समस्या सुलझाने की कला, चित्रकला, पेंटिंग, अन्य दृश्य कला, शिल्प, नाटक, कठपुतली, संगीत तथा अन्य गतिविधियों को सम्मिलित करते हुए इसके साथ अन्य कार्य जैसे सामाजिक कार्य, मानवीय संवेदना, अच्छे व्यवहार, शिष्टाचार, नैतिकता, व्यक्तिगत और सार्वजनिक स्वच्छता, समूह में कार्य करना और आपसी सहयोग को विकसित करने पर भी ध्यान केंद्रित किया गया है। ईसीसीई का समग्र उद्देश्य बच्चों का शारीरिक-भौतिक विकास, संज्ञानात्मक विकास, समाज-संवेगात्मक-नैतिक विकास, सांस्कृतिक विकास, संवाद के लिए प्रारंभिक भाषा, साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान के विकास में अधिकतम परिणामों को प्राप्त करना है।

बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान की महत्ता को स्वीकार करते हुए *राष्ट्रीय शिक्षा नीति* के अनुच्छेद 2.1 में पढ़ने, लिखने और संख्याओं के साथ बुनियादी संक्रियाएँ करने की क्षमता को छात्रों की आगे की स्कूली शिक्षा में एक आधार मानती है। विभिन्न सर्वेक्षण इस बात की ओर संकेत करते हैं कि आज हम वर्तमान में सीखने की एक गंभीर समस्या से जूझ रहे हैं। प्राथमिक विद्यालयों में लगभग 5 करोड़ से भी अधिक शिक्षार्थियों को सामान्य लेख को पढ़ने, समझने और अंकों के साथ बुनियादी जोड़ और घटाव करने में कठिनाई अनुभव होती है।

ऐसी परिस्थितियों में यह जानना अनिवार्य हो जाता है कि आज़ादी के लगभग 75 वर्षों के बाद भी आज हम संपूर्ण साक्षरता के उद्देश्य को क्यों प्राप्त नहीं कर पाए हैं जो कि आज़ादी के 10 साल के भीतर

© NCERT not to be republished

प्राप्त किया जाना निश्चित किया गया था। इससे ज्ञात होता है कि कहीं न कहीं क्रियान्वयन में सुधार की आवश्यकता है। सरकार द्वारा इसके लिए विभिन्न प्रयास किए जा रहे हैं परंतु फिर भी परिणाम अधिक संतोषजनक प्राप्त नहीं हो रहे हैं। राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण (एन.ए.एस.) 2021 की रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली के कक्षा 3 और 5 के विद्यार्थियों का प्रदर्शन राष्ट्रीय औसत से भी नीचे रहा जबकि कक्षा आठवीं और दसवीं का राष्ट्रीय औसत से बेहतर प्रदर्शन रहा। 45 प्रतिशत बच्चों के पास डिवाइस न होने से महामारी के दौरान शिक्षण कार्य एक चुनौती के रूप में रहा। ऑफ़लाइन हो या ऑनलाइन दोनों ही परिस्थितियों में शिक्षक बेहतरीन शिक्षण करने के लिए प्रतिबद्ध है। महामारी के दौरान बहुत से बच्चे लिखना-पढ़ना भी भूलने लगे थे। ऐसी स्थिति में विद्यालय में आते ही एन.ए.एस. की परीक्षा देने में हो सकता है कि बच्चों को समायोजित होने का अवसर ही प्राप्त न हुआ हो। परंतु यदि जब शिक्षक अधिगम उद्देश्यों (Learning Objectives) को ध्यान में रखते हुए शिक्षण कार्य करें और उसी पाठ्यक्रम के आधार पर एन.ए.एस. का प्रश्न-पत्र तैयार किया जाए तो बार-बार बुरे प्रदर्शन की स्थिति से छुटकारा पाया जा सकता है। बच्चों के बुनियादी ज्ञान एवं संख्या ज्ञान को मजबूत बनाने के लिए विद्यालयों में मिशन बुनियाद शुरू किया गया तथा महामारी के बाद बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान पर बहुत बल दिया जा रहा है ताकि *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* में मूलभूत स्तर पर पढ़ना, लिखना और अंकगणित के उद्देश्य की पूर्ति शीघ्रातिशीघ्र कर ली जाए, जिससे प्रत्येक व्यक्ति शिक्षित हो सके।

राष्ट्र के विकास में मूलभूत कौशलों की महत्ता को ध्यान में रखते हुए "आत्मनिर्भर भारत" अभियान के अंतर्गत यह घोषणा की गई कि एक राष्ट्रीय मूलभूत साक्षरता एवं संख्या ज्ञान मिशन आरंभ किया जाएगा, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि 2026–27 तक देश में प्रत्येक बच्चा कक्षा तीन में मूलभूत साक्षरता और संख्या ज्ञान को अनिवार्य रूप से प्राप्त कर ले, जिसके लिए एक रुचिकर पाठ्यचर्या प्रारूप, बच्चों को अपनी ओर आकर्षित करने वाली अधिगम सामग्री-ऑनलाइन एवं ऑफ़लाइन दोनों माध्यम से, शिक्षण परिणाम, अध्यापक क्षमता निर्माण और उनके मापन सूचकांक मूल्यांकन विधि को तैयार किया जाएगा ताकि चरणबद्ध रूप से इसे आगे बढ़ाया जा सके।

निपुण भारत (नेशनल इनिशिएटिव फ़ॉर प्रोफिशिएंसी इन रीडिंग विद अंडरस्टैंग एंड न्यूमेरेसी) की शुरुआत 5 जुलाई, 2021 में हुई। इसका उद्देश्य ग्रेड 3 में पढ़ने वाले सभी बच्चों को कक्षा के अंत तक बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता में निपुण बनाना है जिसे 2026–2027 तक प्राप्त करने का लक्ष्य रखा गया है। बुनियादी शिक्षा मज़बूत होने से छात्रों को आगे के पाठ्यक्रमों के लिए सुविधा हो जाएगी और पहले से बेहतर समझ उत्पन्न होगी। सरकार द्वारा इस निपुण भारत मिशन को पूरे देश में अर्थात् सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लागू किया गया है। इसका संचालन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 5 स्तरीय तंत्र— राष्ट्रीय, राज्य, ज़िला, ब्लॉक और स्कूल स्तर पर निर्धारित किया गया है। इसका संचालन शिक्षा

© NCERT not to be republished

मंत्रालय के स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग द्वारा किया गया है।

राष्ट्रीय स्तर (National Level Mission)—
इसमें राष्ट्रीय स्तर पर बच्चों को लर्निंग गैप्स, अस्सेस्मेंट, लर्निंग स्ट्रेटेजी, डॉक्यूममेंट्स बनाने, लर्निंग मैट्रिक्स तैयार करने जैसे कार्य किए जाएँगे।

राज्य स्तर पर (State Level Mission)—
राज्य स्तर पर इसके संचालन की ज़िम्मेदारी स्कूल शिक्षा विभाग की निश्चित की गयी है। इसके लिए स्टेट रिपेयरिंग समिति का गठन करने की बात है। राज्य स्तर पर कार्यान्वयन का उत्तरदायित्त्व सचिव प्रमुख पर है।

ज़िला स्तर पर (District Level Mission)—
ज़िला स्तर पर इसका संचालन का उत्तरदायित्व डिप्टी मजिस्ट्रेट और डिप्टी कमिश्नर के पास है। ज़िला स्तर पर इस योजना को तैयार करने के लिए ज़िला शिक्षा ऑफिसर, कमिटी के सदस्य सीईओ, डिस्ट्रिक्ट अफसर ऑफ़ हेल्थ आदि सदस्य बनाए जाते हैं।

ब्लॉक क्लस्टर मिशन (Block Cluster Mission)
ब्लॉक स्तर पर मिशन के कार्यान्वयन में संचालन करने और निरीक्षण करने का उत्तरदायित्त्व शिक्षा अधिकारी और ब्लॉक रिसोर्सेज पर्सन की होती है।

स्कूल प्रबंधन समिति और सामुदायिक भागीदारी (School Management Committee & Community Participation)
स्कूल और कम्युनिटी स्तर पर देश भर में शिक्षा अभियान से संबंधित जागरूकता फैलाने का कार्य इन्हें प्राप्त है। इसके अंतर्गत स्कूल मैनेजमेंट शिक्षकों और अभिभावकों के योगदान से बच्चों की शिक्षा में सुधार लाने के लिए सभी को जागरूक किया जाता है।

निपुण भारत मिशन के सफलतापूर्वक कार्यान्वयन हेतु वर्ष 2021–2022 के लिए राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों को देश भर में समग्र शिक्षा योजना के तहत 2688.18 करोड़ रुपए प्रदान करने की मंजूरी दी है। यह राशि आधारभूत चरण हेतु विभिन्न उपायों को लागू करने हेतु निर्धारित है जिससे बच्चों को योजना के तहत बेहतर बुनियादी शिक्षा मिल सकेगी और वे आगे के पाठ्यक्रमों के लिए तैयार हो सकेंगे।

आधारभूत साक्षरता तथा संख्यामकता के प्रकार

मूलभूत भाषा एवं साक्षरता की आवश्यकता

भाषा साक्षरता एवं गणितीय कौशल की एक मज़बूत नींव का प्रारंभिक वर्षों में विकास करना बहुत आवश्यक है जिससे बच्चे भविष्य में बेहतर शिक्षा प्राप्त कर सके।

विद्यार्थियों के शारीरिक विकास के साथ-साथ मस्तिष्क के विकास के लिए प्रारंभिक साक्षरता का विकास होना भी बहुत महत्वपूर्ण होता है।

छात्रों को मूलभूत भाषा एवं साक्षरता प्रदान करने के बाद बच्चे समझ के साथ पढ़ सकते हैं। ऐसा मथुरा पायलट प्रोजेक्ट के निष्कर्षों के अनुसार कहा गया है।

प्रारंभिक मूलभूत भाषा एवं साक्षरता बच्चों को शुरूआती वर्षों में प्रदान करना अत्यंत आवश्यक है। ऐसा इसलिए क्यूंकि बच्चों के मस्तिष्क का 85 प्रतिशत विकास 6 वर्ष की आयु तक हो जाता है। और तब तक उन्हें मूलभूत शिक्षा मिल जानी चाहिए।

© NCERT not to be republished

प्रारंभिक भाषा और साक्षारता सिर्फ़ बोलना, पढ़ना और सुनना ही नहीं होता। बल्कि इस के माध्यम से व्यक्ति अपने आसपास के बारे में समझ विकसित करता है और उस बारे में अपनी एक सोच बनाता है। ये बहुत आवश्यक है कि ये बुनियादी साक्षारता उन्हें शुरूआती वर्षों में ही मिल जाए, जिससे आगे जाकर वो अपनी समझ विकसित कर लें और जिससे उन्हें आगे जाकर कोई परेशानी न हो। प्रारंभिक भाषा और साक्षारता में नीचे दिए गए बिंदुओं को ले सकते हैं—

पढ़ने और लिखने का ज्ञान होना।

अपनी कक्षा में लिखने की अवधारणा (कांसेप्ट) प्रारंभिक शिक्षा की अवधि के दौरान लिखने का कौशल इमर्जेंट राइटिंग, कन्वेंशनल राइटिंग एवं राइटिंग कंपोजिशन के माध्यम से विकसित करना।

1. मौखिक पठन प्रवाह
   ध्वन्यात्मक जागरूकता
   लेखन
   शब्दावली
   पठन अवबोधन
   मौखिक भाषा का विकास
   प्रिंट के बारे में अवधारणा
   डिकोडिंग
   कल्चर ऑफ़ रीडिंग
2. मूलभूत संख्यामकता और गणित कौशल
   गणितीय तकनीक
   पूर्व संख्या अवधारणाएँ
   आकार एवं स्थानिक समाज
   मापन
   नंबर एंड ऑपरेशन ऑन नंबर
   पैटर्न

निपुण भारत मिशन द्वारा साक्षरता व संख्यात्मकता में किए जाने वाले सुधार

1. *विद्यार्थियों को शिक्षा में प्रोत्साहन देना*

विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए आवश्यक है—

- लिंगभेद से मुक्त पुस्तकें, चित्र, पोस्टर, खिलौने आदि के माध्यम से शिक्षित करें।
- बालक और बालिकाओं से उचित और समान अपेक्षाओं को प्रदर्शित करें।
- विद्यार्थियों को उनकी रुचि के अनुसार शिक्षा में प्रोत्साहित करना।
- ऐसे पाठ्यक्रम (कहानियाँ और कविताएँ) जिनमें छात्र और छात्राओं को समान भूमिकाओं में पेश किया जा सके।
- लिंग पक्षपाती कथनों का कक्षा में किसी भी प्रकार से प्रयोग न किए जाने का प्रयास करना।

2. *लर्निंग अस्सेस्मेंट*

इसमें बच्चों की सीखने की क्षमता का आकलन करना होता है। इसके लिए उनके द्वारा सीखे गए विभिन्न पाठ्यक्रमों में उनके विकास का आकलन किया जाता है जिससे बच्चे की सीखने की क्षमता को ट्रैक किया जा सके। इसके लिए विभिन्न तकनीकों का उपयोग किया जाता है। इसके माध्यम से बच्चों की रुचि का पता लगाया जा सकता है। और साथ ही उन्हें उनकी रुचि के अनुसार ही प्रोत्साहित किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त बच्चे को कहाँ समस्या हो रही है, इसका भी पता किया जा सकता है और बच्चे की मदद की जा सकती है।

© NCERT not to be republished

3. *विद्यालय मॉडल*

इस मॉडल के अनुसार ये बहुत आवश्यक है की बच्चे को स्कूल भेजा जाए। ऐसा इसलिए क्योंकि बच्चे स्कूल जाने पर न सिर्फ़ शिक्षा प्राप्त करते हैं बल्कि उन्हें स्कूल जाकर अपने साथ के बच्चों, शिक्षकों और अन्य सहयोगियों से भी सीखने का अवसर मिलता है, जिससे बच्चे का संपूर्ण विकास संभव है।

निपुण भारत 2022 के हितधारक

निपुण भारत 2022 के हितधारकों की सूची इस प्रकार है—

1. सेंट्रल बोर्ड ऑफ़ सेकेंडरी एजुकेशन (सीबीएसई)
2. राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेश
3. स्टेट काउंसिल ऑफ़ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग (एस.सी.ई.आर.टी.)
4. सेंट्रल स्कूल आर्गेनाइजेशन
5. नेशनल काउंसिल ऑफ़ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग (एन.सी.ई.आर.टी.)
6. मुख्य शिक्षक
7. कम्युनिटी एवं पैरेंट
8. डिस्ट्रिक्ट इंस्टिट्यूट ऑफ़ एजुकेशन एंड ट्रेनिंग
9. ब्लॉक रिसर्च सेंटर तथा क्लस्टर रिसोर्सेज सेंटर
10. डिस्ट्रिक्ट एजुकेशन ऑफ़िसर एवं ब्लॉक एजुकेशन ऑफ़िसर
11. सिविल सोसाइटी आर्गेनाइजेशन
12. प्राइवेट स्कूल
13. गैर-सरकारी संगठन

निपुण भारत मिशन के क्रियान्वयन में राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् (एस. सी.ई.आर.टी.), मंडलीय शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डी.आई.ई.टी.), ब्लॉक व डिस्ट्रिक्ट रिसर्च सेंटर तथा क्लस्टर रिसोर्सेज सेंटर मिलकर सराहनीय कार्य कर रहे हैं। दिल्ली में राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् (एस. सी.ई.आर.टी.) निपुण भारत मिशन को विद्यालयों में सफलतापूर्वक पहुँचाने का प्रयास कर रहा है। इसके अंतर्गत 100 दिन के रीडिंग कैंपेन की शुरुआत 15 जनवरी, 2022 को की गयी और हाल ही में 15 अप्रैल, 2022 में यह कैंपेन सफलतापूर्वक पूर्ण हुआ है। इसमें दिल्ली शिक्षा निदेशालय और एससीईआरटी ने संयुक्त रूप से छात्रों हेतु वर्कशीट बनाकर विद्यालयों में रोज़ाना वितरण का कार्य किया। इसके फ़ीडबैक को साथ-साथ प्राप्त करने के उद्देश्य से ट्रैकर का निर्माण भी किया गया तथा विद्यालय इसमें रीडिंग कैंपेन गतिविधि से संबंधित फ़ोटो और वीडियो अपलोड कर रहे थे। इस कार्यक्रम के पूर्ति के उपरांत विद्यालय के नोडल अधिकारियों को एससीईआरटी द्वारा प्रशंसनीय प्रमाणपत्र भी प्रदान किये गए हैं।

रीडिंग कैंपेन और मिशन बुनियाद को लेकर कुछ लोगों को गलतफ़हमी भी है कि वे दोनों को एक ही मान बैठते हैं। परंतु रीडिंग कैंपेन केवल पठन और उसके अवबोधन से संबंधित है जबकि मिशन बुनियाद में बच्चे का आकलन करके गणित और हिंदी दोनों ही विषयों के आधारभूत ज्ञान एवं गणितीय संक्रियाओं में बच्चे को सिखाना मुख्य उद्देश्य है। इसमें स्तर 1 और स्तर 2 में बच्चे को उसके साप्ताहिक आकलन के अनुसार रखते हुए शिक्षण किया जाता है। एक और

© NCERT not to be republished

महत्वपूर्ण अंतर कक्षा को लेकर है कि रीडिंग कैंपेन कक्षा 3 तक निर्धारित है जबकि मिशन बुनियाद कक्षा 8 तक के बच्चों के लिए है।

अतः निष्कर्ष रूप में कहा जा सकता है कि बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान के उद्देश्य की पूर्ति में निपुण भारत मिशन महती भूमिका निभा रहा है और इसमें दिल्ली शिक्षा निदेशालय और एससीईआरटी का महत्वपूर्ण योगदान है। इनके प्रयास से निपुण भारत मिशन का पहला चरण 100 दिन का रीडिंग कैंपेन सफलतापूर्वक पूर्ण हुआ है तथा अन्य चरणों को लेकर दिल्ली शिक्षा निदेशालय और एससीईआरटी संयुक्त रूप से आगे बढ़ रहे हैं। स्कूली बच्चों में रीडिंग कैंपेन के माध्यम से पठन अवबोधन में आत्मविश्वास जगाने के बाद निपुण भारत के अगले उद्देश्य की प्राप्ति की और यात्रा पुनः आरंभ हो गई है।

संदर्भ

https://pmmodiyojana.in/nipun-bharat/

www.education.gov.in/sites/upload_files/mhrd/files/nipun_bharat_eng1.pdf

www.education.gov.in/sites/upload_files/mhrd/files/NEP_final_HINDI_0.pdf

www.education.gov.in/sites/upload_files/mhrd/files/upload_document/SARTHAQ_Part-1_updated.pdf

www.education.gov.in/sites/upload_files/mhrd/files/upload_document/SARTHAQ_Part-2_updated.pdf

© NCERT not to be republished